11-03-2024

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं की वर्तमान स्थिति एवं पूर्व स्थिति के तुलनात्मक अध्ययन पर समूह चर्चा की जा रही है। इस हेतु वक्तागण निम्नानुसार हैं —

1. उमाशंकर निर्मलकर - MSW
2. मधु वर्मा - MA Polit Sci.
3. तोषी साहू - M Com
4. अंजली सिंह - JBS/गेस्ट अध्या. अंग्रेजी
5. प्रिया चंद्राकर - गेस्ट अध्या. गणित
6.

क्र०	छात्र/छात्रा का नाम	हस्ताक्षर
1	भूमिका साहू	Bhumika
2	विभा साहू	Vibha
3	रंजिता प्रजापति	Ranjita
4	रीतु	Ritu
5.	अंजल वर्मा	Anjal
6.	मधु वर्मा	Madhu
7	तोषी	Toshi
8.	मनीषा	मनीषा

10) दीपमाला वर्मा — Deepmala Varma
11) तारिणी साहू — Tarinee
12) ऋतुम्भरा साहू — Ritumbhara
13) पूजा साहू — Sahu
14) अमित कुमार — [signature]
15) इन्द्रेश्वर सिन्हा — Sinha
16) नारायण यादव — [signature]
17) उमाशंकर निर्मलकर — [signature]

कार्यक्रम में उपस्थित प्राध्यापक –

1. डॉ. गौरव शर्मा (Commerce) — [signature]
2. डॉ. आर. के. वर्मा (Mathematics) — [signature]
3. डॉ. पुष्पा मिंज (Sociology) — [signature]
4. श्री राहुल चौधरी (MSW) — [signature]
5. श्री अभिषेक वर्मा (MSW)
6. अंजली सिंह (English) — Anjali
7. प्रिया चंद्राकर (Maths) — Priya
8. कुलेश्वरी (Hindi) — [signature]

[signature]
Principal
Govt.C.L.C.Arts and Science
College Patan, Distt -Durg (C.G.)

अंतर्राष्ट्रीय
महिला दिवस
08 मार्च 2024
समाजशास्त्र विभाग

शासकीय चंदूलाल चंद्राकर कला एवं विज्ञान महाविद्यालय पाटन, जिला-दुर्ग (छत्तीसगढ़) 491111

प्रेस विज्ञप्ति

पाटन- 12.03.2024

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस आयोजित

पाटन | शासकीय चंदूलाल चंद्राकर कला एवं विज्ञान महाविद्यालय पाटन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन समाजशास्त्र विभाग के सह-आयोजन में किया गया | इस आयोजन का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण और नारी चेतना के विभिन्न आयामों से छात्र-छात्राओं को परिचित कराना, तथा उनमें नई चेतना के माध्यम से सामाजिक सद्भाव और आर्थिक सुदृढ़ता के प्रयासों की ओर तेज करने हेतु जागृत करना था | इसी कड़ी में वक्ताओं डॉ गीता शर्मा (विभाग-अध्यक्ष वाणिज्य) ने इन्फोसिस के फाउंडर नारायणमूर्ति का उदाहरण प्रस्तुत किया, तथा उनकी पत्नी सुधामूर्ति का उदाहरण छात्रों के समक्ष रखा | डॉ आर के शर्मा (विभाग-अध्यक्ष गणित) ने छत्तीसगढ़ में टोनही प्रताड़ना अधिनियम लागू करने, मातृ तथा शिशु मृत्यु-दर पर नियन्त्रण, तथा संविधान के 73 वे और 74 वे संशोधन विधेयक के माध्यम से स्थानीय निकायों में महिला नेतृत्व के माध्यम से नारी सशक्तिकरण, जैसे कई प्रयासों का विशेष उल्लेख किया | डॉ पुष्पा मिंज (संयोजक एवं सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र) ने भारतीय संस्कृति को बचाते हुए महिलाओं को प्रगति करने का आह्वान किया | इसके पश्चात प्राचार्य डॉ शोभा श्रीवास्तव ने स्वयं महिलाओं को ही समाज और परिवार की धुरी कहा | आपने बताया कि महिलाओं को बिना अपना सामाजिक-दायित्व निभाए केवल आर्थिक सफलता की ओर अकेले कदम बढ़ाने का कोई अर्थ नहीं है | क्योंकि इससे सामाजिक बिखराव और पतन तय है | एम एस डब्लू के छात्र उमाशंकर निर्मलकर, वाणिज्य के छात्र तोषी देवांगन आदि कुछ छात्राओं ने भी संबोधित किया | इस अवसर पर महाविद्यालय के गेस्ट प्राध्यापक प्रिया चंद्राकर, लोकेश्वरी, अंजली सिंह, राहुल चौधरी, अभिषेक वर्मा तथा एम एस डब्लू, एम ए, (समाजशास्त्र), एमएससी (गणित), एम कॉम (वाणिज्य) के छात्र उपस्थित थे |